1 यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चरल साइंस बेंगलुरु द्वारा भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान इंदौर के सहयोग से 23 अप्रेल २०२२ को जर्मप्लाज्म प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया | इसमें यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चरल साइंस बेंगलुरु के कुलपति डॉ राजेन्द्रप्रसाद, डायरेक्टर रिसर्च, हेड ओद डिपार्टमें प्लांट ब्रीडिंग और जेनेटिक्स तथा भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान इंदौर से निदेशक डॉ नीता खांडेकर, प्रधान वैज्ञानिक डॉ संजय गुप्ता, डॉ ज्ञानेश सातपुते, वैज्ञानिक डॉ सुभाषचंद्रा, डॉ राजेश वंगाला ने भाग लिया| AICRP के विभिन्न केन्द्रों इम्फाल, , कसबे डीगराज, पुणा अमरावती परभानी धारवाड़ मुरेना, सीहोर और आदिलाबाद से भी वैज्ञानिको सम्मलित हुए थे | सभी साहयोगी ने 9००० उग रहे जर्मप्लाज्म का निरिक्षण किया तथा अपने लिए उपयोगी जर्मप्लाज्म का चयन किया |

2 NEH में सोयाबीन क्षेत्र वृधि के लिए केन्द्रीय कृषि विश्व्धायल इम्फाल के कुलपति .डॉ अनुपम मिश्रा .ने भारतीय सोयाबीन अनुशंधान संस्थान इंदौर के निदेशक मोहदया को इस हेतु आमंत्रित किया गया साथ ही उतर पूर्वी राज्यों के सभी KVK के अधिकारी स्मलित होकर सोयाबीन क्षेत्र वृधि पर साझा प्रयास करने पर जोर दिया |डॉ एस बसंत सिंह डायरेक्टर रिसर्च, डॉ पीएच.रंजित शर्मा डायरेक्टर एक्सटेनशन एजुकेशन ,डॉ. एन जी जोय कुमार डीन , COFT, CAU, Imphal| उपस्थित थे

3 निदेशक मोहदया केन्द्रीय कृषि विश्व्धायल इम्फाल द्वारा आयोजित महिला उद्यमी द्वारा निर्मित उत्पादों के विश्लेषण किया और सोया उत्पाद के बारे में जानकारी दी

4 भारतीय सोयाबीन अनुशंधान संस्थान के ABI में नवीनतम सूक्ष्म टोफू (सोया पनीर)प्लांट की शुरुआत की गई जिससे सोया उत्पाद के व्यवसाय को बढावा मिलेगा |